नवोदय टाइम्स

NAVODAYA TIMES, New Delhi

ABC से प्रमाणित 1,22,024 प्रतियां प्रतिदिन (औसतः जनवरी-जून 2017)

लिफ्ट में फंस गई थी अभिनेत्री कृति सैनन 18

रविवार, 11 फरवरी, 2018 • तदनुसार 29 माघ, विक्रमी सम्वत 2074 | www.navodayatimes.in | facebook.com/navodayatimes | twitter.com/navodayatimes

'धार्मिक नहीं, जमीनी विवाद है राम जन्म भूमि मुद्दा'

अक्तूबर तक राम मंदिर बनना शुरू हो जाएगा: स्वामी

नई दिल्ली, 10 फरवरी (ब्यूरो) : भगवान राम राष्ट्र की अवधारणा के प्रतीक हैं। अक्तूबर तक राम मंदिर बनना शुरू हो जाएगा। यह बात किसी भावना में बहकर नहीं बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर बोल रहा हूं। शनिवार को भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए कही। वह यहां अरुंधती वशिष्ठ अनुसंधान पीठ द्वारा आयोजित किए जा रहे भारतीय एवं पाश्चात्य राष्ट्र दृष्टि सेमिनार को बतौर पीठ अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। स्वामी ने कहा कि सारे साक्ष्य और तथ्य हमारे पत्ता में है। हाईकोर्ट में हमारे द्वारा रखे गए साक्ष्य और गवाहों का दोबारा से अवलोकन किया जाना है, उसके लिए बहस की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारा यह कहना है कि अक्तूबर तक राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो जाएगा, वहां जाकर दिया जलाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट हमारे पक्ष में निर्णय देगा

यह जमीन का विवाद है, धर्म का विवाद नहीं है। उसी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट हमारे पक्ष में निर्णय देगा। साथ ही कहा कि सउदी अरब में भी किसी भी मस्जिद को हटाया जा सकता है, क्योंकि इस्लाम मूर्ति पूजा में भी किसी भी मस्जिद को उसके स्थान से हटाया जा सकता है, क्योंकि मूर्ति पूजा इस्लाम में नहीं है। मगर जो मंदिर है वह भगवान का स्थान है और यह तो जन्म स्थान है। जिसमें प्राण प्रतिष्ठा करते हैं और भगवान का निवास हो जाता है।

'जोखिम लेकर ही हम विकास के रास्ते पर बढ़ सकते हैं'

नई दिल्ली, 10 फरवरी (ब्यूरो): युवाओं में जोखिम लेने की मंशा होनी चाहिए। यही विकास का रास्ता बना सकता है। जोखिम लेकर ही हम विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकते हैं। यह बात राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने शनिवार को महाराजा अग्रसेन टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट स्टडीज के वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्यअतिथि कही।

वार्षिकोत्सव में मौजूद सुब्रमण्यम स्वामी।

डॉ. स्वामी ने कहा कि हमें अपने इतिहास और संस्कृति की सही जानकारी होनी जरूरी है तभी हम अंग्रेजों द्वारा भारतीयों में पैदा की गई हीन भावना से उभरकर, देश को दुनिया का नंबर एक देश बना पाएंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी ने दीप प्रज्ज्वलन कर की। अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. नन्द किशोर गर्ग ने डॉ. स्वामी को आधुनिक चाणक्य संबोधित करते हुए कहा कि चन्द्रगुप्त तो पैदा होते रहेंगे आप हमारे बीच चाणक्य हो। उन्होंने मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए शिक्षित के साथ संस्कारी युवाओं की जरूरत है और महाराजा अग्रसेन संस्थान से ऐसे हजारों छात्र देश और समाज के लिए कार्य कर रहे हैं।